NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिंदी

Chapter : 6

Chapter Name : मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

Q. 1. प्रस्तुत कविता में 'दीपक' और 'प्रियतम' किसके प्रतीक हैं?

Answer – प्रस्तुत कविता में दीपक आस्था का और प्रियतम ईश्वर का प्रतीक हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 2. दीपक से किस बात का आग्रह किया जा रहा है और क्यों?

Answer – दीपक से निरंतर जलते रहने का आग्रह किया जा रहा है चाहे कोई भी परिस्थिति सामने हो | दीपक अर्थात ईश्वर के प्रति आस्था यदि बनी रहेगी तभी ईश्वर तक जाने का मार्ग मिलेगा |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 3. 'विश्व-शलभ' दीपक के साथ क्यों जल जाना चाहता है?

Answer – विश्व-शलभ दीपक के साथ जलकर अपने ज्ञान रूपी प्रकाश को संसार में फैलाना चाहता हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 4. आपकी दृष्टि में 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' कविता का सौंदर्य इनमें से किस पर निर्भर है –

(क) शब्दों की आवृत्ति पर।

(ख) सफल बिंब अंकन पर।

Answer – कविता का सौंदर्य शब्दों की आवृत्ति और सफल बिंब अंकन दोनों पर निर्भर करता हैं | शब्दों की आवृत्ति से कविता में लयात्मकता आती है तथा सफल बिंब अंकन से कविता में भाव आते हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 5. कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाह रही हैं?

aglasem.com

Answer – कवयित्री अपनी आस्था रूपी दीपक से अपने प्रियतम ईश्वर का पथ आलोकित करना चाह रही हैं|

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 6. कवयित्री को आकाश के तारे स्नेहहीन से क्यों प्रतीत हो रहे हैं?

Answer – आकाश में असंख्य तारे है उनका अपना प्रकाश होता हैं | तारे अपने प्रकाश से संसार को प्रकाशित नहीं कर पाते हैं इसलिए कवयित्री को ये स्नेहहीन प्रतीत हो रहे हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 7. पतंगा अपने क्षोभ को किस प्रकार व्यक्त कर रहा है?

Answer – पतंगा अपना सिर पीटते हुए पछताता है कि वह दीपक के साथ मिलकर जल नहीं पाया |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 8. कवयित्री ने दीपक को हर बार अलग-अलग तरह से 'मधुर-मधुर, पुलक-पुलक, सिहर-सिहर और विहँस-विहँस' जलने को क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

Answer – कवियित्री चाहती है कि आस्था रूपी दीपक हर परिस्थिति में जलता रहे | इसलिए कवियित्री ने दीपक को हर बार अलग-अलग तरह से जैसे मधुर मतलब प्रेम से, पुलक मतलब रोमांच से, सिहर मतलब काँपते हुए और विहँस मतलब प्रसन्नता से जलते रहने के लिए कहा हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 9. नीचे दी गई काव्य-पंक्तियों को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

जलते नभ में देख असंख्यक,

स्नेहहीन नित कितने दीपक;

जलमय सागर का उर जलता,

विद्युत ले घिरता है बादल!

विहँस विहँस मेरे दीपक जल!

(क) 'स्नेहहीन दीपक' से क्या तात्पर्य है?

(ख) सागर को 'जलमय' कहने का क्या अभिप्राय है और उसका हृदय क्यों जलता है?

aglasem.com

(ग) बादलों की क्या विशेषता बताई गई है**?**

(घ) कवयित्री दीपक को **'**विहँस विहँस**'** जलने के लिए क्यों कह रही हैं**?**

Answer –

(क) स्नेहहीन दीपक तारों को कहा गया हैं | स्नेहहीन दीपक अर्थात जिनके ह्रदय में दूसरों के लिए कोई भाव न हो |

(ख) सागर को जलमय इसलिए कहा है क्योंकि ये जल से हमेशा भरे रहते हैं | लेकिन सागर किसी की प्यास नहीं बुझा पाते हैं जबकि बादल थोड़े पानी में भी सबको तृप्त कर देते हैं | ये देखकर सागर का ह्रदय जलता हैं |

(ग) बादल परोपकारी होते हैं क्योंकि ये अथाह पानी और बिजली से भरे होते हैं |

(घ) कवयित्री दीपक को हँसते-हँसते जलने के लिए इसलिए कहती हैं ताकि ईश्वर तक जाने का ज्ञान रूपी मार्ग हमेशा प्रकाशमान रहे |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 10. क्या मीराबाई और आधुनिक मीरा 'महादेवी वर्मा' इन दोनों ने अपने-अपने आराध्य देव से मिलने कि लिए जो युक्तियाँ अपनाई हैं, उनमें आपको कुछ समानता या अतंर प्रतीत होता है? अपने विचार प्रकट कीजिए?

Answer – मीरा श्रीकृष्ण की भक्त थी और हमेशा उनकी भक्ति में ही लीन रहती थी | मीरा स्वयं को कृष्ण की दासी मानती थी | महादेवी अपने ईश्वर को अपना प्रियतम मानती हैं और अपनी आस्था और ज्ञान रूपी मार्ग से ईश्वर तक पहुँचना चाहती हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए -

Q. 1. दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित**,**

तेरे जीवन का अणु गल गल**!**

Answer – कवियित्री चाहती है कि आस्था रूपी दीपक अपने जीवन के हर अणु को जला दे अर्थात अपना सबकुछ न्यौछावर कर दे | वह दीपक को अपने हर अणु को जलाकर सागर की तरह असीमित प्रकाश फ़ैलाने को कहती हैं |

Page: 34, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए -

Q. 2. युग-युग प्रतिदिन प्रतिक्षण प्रतिपल,

प्रियतम का पथ आलोकित कर!

Answer – कवियित्री चाहती है कि आस्था रूपी दीपक युगों-युगों तक हर समय, हर पल जलता रहे और उनके प्रियतम अर्थात ईश्वर तक पहुँचने के मार्ग को हमेशा आलोकित करता रहे | ईश्वर के प्रति जो आस्था है वह उसे खत्म नहीं होने देना चाहती हैं |

Page: 35, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए -

Q. 3. मृदुल मोम सा घुल रे मृदु तन!

Answer – मृदुल तन को मोम की तरह जलकर पिघलना होगा तभी ईश्वर तक पहुँचना संभव हैं |

Page: 35, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

भाषा अध्ययन

Q. 1. कविता में जब एक शब्द बार-बार आता है और वह योजक चिन्ह द्वारा जुड़ा होता है, तो वहाँ पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार होता है ; जैसे - पुलक-पुलक | इसी प्रकार के कुछ और शब्द खोजिए जिनमें यह अलंकार हो |

Answer - मधुर-मधुर , युग-युग , गल-गल , सिहर-सिहर और विहँस-विहँस |

Page: 35, Block Name: भाषा अध्ययन

योग्यता विस्तार

Q. 1. इस कविता में जो भाव आए हैं, उन्हीं भावों पर आधारित कवयित्री द्वारा रचित कुछ अन्य कविताओं का अध्ययन करें ; जैसे -

(क) मैं नीर भरी दुख की बदली

(ख) जो तुम आ जाते एकबार

ये सभी कविताएँ 'सन्धिनी' में संकलित हैं |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 35, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 2. इस कविता को कंठस्थ करें तथा कक्षा में संगीतमय प्रस्तुति करें |

aglasem.com

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 35, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 3. महादेवी वर्मा को आधुनिक मीरा कहा जाता है | इस विषय पर जानकारी प्राप्त कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 35, Block Name: योग्यता विस्तार

aglasem.com